CDM

आपदा प्रबंधन में सर्टिफिकेट कार्यक्रम (सी.डी.एम.)

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सी.डी.एम.–01 (आपदा प्रबंधन में आधार पाठ्यक्रम)

सी.डी.एम.–02 (आपदा प्रबंधनः विधियाँ और तकनीक)

(जनवरी–जून 2026 और जुलाई–दिसम्बर 2026)

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

आपदा प्रबंधन में सर्टिफिकेट कार्यक्रम (सी.डी.एम.)

सी.डी.एम.–01 (आपदा प्रबंधन में आधार पाठ्यक्रम)

सी.डी.एम.–02 (आपदा प्रबंधनः विधियाँ और तकनीक)

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

(जनवरी–जून 2026) और (जुलाई–दिसम्बर 2026)

प्रिय छात्र/छात्राओं,

विश्वविद्यालय के नियम के अनुसार, प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा।

प्रत्येक सत्रीय कार्य में लगभग 500 शब्दों, 250 शब्दों और 100 शब्दों में उत्तर देने होंगे। आप यह देखेंगे कि सत्रीय कार्यों के प्रश्न विश्लेषणात्मक और वर्णनात्मक प्रकृति के हैं। इन्हें करने से आप अवधारणाओं को बेहतर तरीके से समझ सकेंगे।

सत्रीय कार्यों को करने से पहले कृपया कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। यह महत्वपूर्ण है कि आप टी.एम.ए. के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित की गई शब्द–सीमा के भीतर होने चाहिए। याद रखें, सत्रीय कार्य के प्रश्नों का उत्तर लिखने से आपकी लेखन शैली में सुधार होगा और ये आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेंगे।

सत्रीय कार्यों को आपने अध्ययन केंद्र के संचालक के पास जमा कराएं। जमा कराए गए सत्रीय कार्यों की अध्ययन केंद्र से रसीद अवश्य प्राप्त कर लें और उसे अपने पास संभाल कर रखें। अगर संभव हो तो सत्रीय कार्यों की एक फोटोप्रति भी अपने पास रखें।

सत्रीय कार्यों को मूल्यांकन के पश्चात अध्ययन केंद्र आपको वापस कर देगा। कृपया इस ओर विशेष ध्यान दें। अध्ययन केंद्र द्वारा अंकों को संबंधित क्षेत्रीय केंद्र को भेजना होता है और बाद में वे उन्हें विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली के पास भेजते हैं।

प्रस्तुतीकरण :

आपको सत्रीय कार्यों को निर्धारित तिथि तक जमा कराना होगा ताकि आप सत्रांत परीक्षा देने के पात्र हो सकें।

सत्रीय कार्यों को पूरा करके निम्नलिखित समय–सारणी के अनुसार भेजें :

सत्रीय कार्य संख्या	प्रस्तुति की तिथि	किसे भेजें
सी.डी.एम–01 सी.डी.एम–02	जनवरी 2026 सत्र के लिए 31 मार्च, 2026 जुलाई 2026 सत्र के लिए 30 सितम्बर, 2026	अपने निर्दिष्ट अध्ययन केंद्र के संचालक को

सत्रीय कार्य करने के निर्देश

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य में दिए गए निर्देशों के अनुसार अपने उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय कृपया निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें:

1) **योजना** : सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं उन्हें ध्यान से पढ़िए। प्रत्येक उत्तर के बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) **संगठन** : अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर को चुनने और विश्लेषण करने का प्रयास कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और समाहार पर विशेष ध्यान दें।

उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि :

क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत हो,

ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध हो, और

ग) उत्तर आपके भाव, शैली और प्रस्तुति के आधार पर सही हों।

3) **प्रस्तुतीकरण** : जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएं तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। उत्तर साफ–साफ और अपनी हस्तलिपि में ही लिखें। जिन बिंदुओं पर आप जोर देना चाहते हों, उन्हें रेखांकित कर दें। यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द–सीमा के भीतर ही हो।

शुभकामनाओं के साथ,

प्रो. दुर्गेश नंदिनी
(कार्यक्रम संयोजक)

आपदा प्रबंधन में सर्टिफिकेट कार्यक्रम

सी.डी.एम.-01 : आपदा प्रबंधन में आधार पाठ्यक्रम

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य (जनवरी–जून 2026) तथा (जुलाई–दिसम्बर 2026)

पाठ्यक्रम कोड : सी.डी.एम..-01

सत्रीय कार्य कोड : सी.डी.एम..-01/ए.एस.टी./टी.एम.ए./2026

पूर्णांक : 100

प्रिय छात्र/छात्राओं

इस सत्रीय कार्य में तीन भाग हैं। आपको तीनों भागों के सभी प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

भाग – I

निम्नलिखित प्रश्नों में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

1) प्रकृतिक और मानव–निर्मित आपदाओं में अंतर स्पष्ट करते हुए आपदाओं की प्रकृति पर चर्चा कीजिए। 20

2) आपदा–स्थितियों में जिला प्रशासन की भूमिका का वर्णन कीजिए। 20

भाग – II

निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए।

3) आपदा और खतरा के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए। 12

4) 'चक्रवातों की व्यवस्थित पूर्वानुमान और चेतावनी प्रणालियाँ हैं'। व्याख्या कीजिए। 12

5) अल्प–कालीन तथा दीर्घ–कालीन नियोजन के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए। 12

भाग – III

निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए।

6) समुदायिक भागीदारी के महत्व और आवश्यकता पर एक टिप्पणी लिखिए। 6

7) आग के प्रमुख प्रकार क्या हैं? 6